

Chapter: 1 to 9

विभाग १ - गद्य

कृति. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

(8)

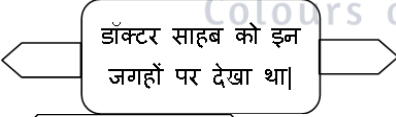
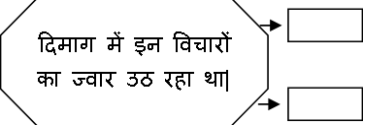
१

सुबह का समय था। मैं डॉक्टर राजकुमार वर्मा जी के प्रयाग स्टेशन स्थित निवास “मधुबन” की ओर पूरी रफ्तार से चला जा रहा था क्योंकि 10 बजे उनसे मिलने का समय तय था।
वैसे तो मैंने डॉक्टर साहब को विभिन्न उत्सवों, संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों में देखा था, परंतु इतने निकट से मुलाकात करने का यह मेरा पहला अवसर था। मेरे दिमाग में विभिन्न विचारों का ज्वार उठ रहा था- कैसे होंगे डॉक्टर साहब, कैसा व्यवहार होगा उस साहित्य मनीषी का, आदि। इन तमाम उठते और बैठते विचारों को लिए मैंने उनके निवास स्थान ‘मधुबन’ में प्रवेश किया। काफी साहस करके दरवाजे पर लगी घंटी बजाई। नौकर निकला और पूछा बैठा, “क्या आप अनुराग जी हैं?” मैंने उत्तर में सिर्फ ‘हाँ’ कहा। उसने मुझे ड्राइंग रूम में बिठाया और यह कहते हुए चला गया कि “डॉक्टर साहब आ रहे हैं।” इतने में डॉक्टर साहब आ गए। “अनुराग जी, कैसे आना हुआ?” आते ही उन्होंने पूछा।
मैंने कहा, “डॉक्टर साहब, कुछ प्रसंग जो आपके जीवन से संबंधित हैं और उनसे आपको जो महत्वपूर्ण प्रेरणाएँ मिली हों उन्हीं की जानकारी हेतु आया था।”
डॉक्टर साहब ने बड़ी सरलता से कहा, ‘अच्छा, तो फिर पूछिए।’

1 A1) ..

2

अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

- i. 
- ii. 

A2) ..

2

निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए।

- संध्या का समय था।
- 10 बजे उनसे मिलने का समय था।
- उन्होंने मुझे ड्राइंग रूम में बिठाया।
- उनके निवास स्थान ‘वर्षा’ में प्रवेश किया।

A3) ..

2

- प्रत्यय पहचानकर लिखिए।
१. सरलता -
२. संबंधित-
- निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए।
१. व्यवहार २. विचार

A4) ..

2

स्वमत।

‘उत्तम साहित्य के लिए संगोष्ठी और सम्मेलन आवश्यक हैं’ विषय पर २५ से ३० शब्दों में अपने विचार लिखिए।

(ब) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

(8)

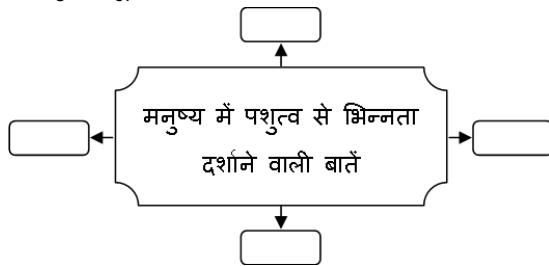
मनुष्य पशु से किस बात में भिन्न है ! उसमें संयम है, दूसरे के सुख – दुख के प्रति समवेदना है, श्रद्धा है, तप है, त्याग है। इसीलिए मनुष्य झगड़े-टंटे को अपना आदर्श नहीं मानता, गुस्से में आकर चढ़-दौड़ने वाले अविवेकी को बुरा समझता है। वचन, मन एवं शरीर से किए गए असत्याचरण को गलत मानता है।

ऐसा कोई दिन आ सकता है जब मनुष्य के नाखूनों का बढ़ना बंद हो जाएगा। प्राणिशास्त्रियों का ऐसा अनुमान है कि मनुष्य का अनावश्यक अंग उसी प्रकार झड़ जाएगा, जिस प्रकार उसकी पूँछ झड़ गई है। उस दिन मनुष्य की पशुता भी लुप्त हो जाएगी। शायद उस दिन वह मरणास्त्रों का प्रयोग भी बंद कर देगा। नाखून का बढ़ना मनुष्य के भीतर की पशुता की निशानी है और उसे नहीं बढ़ने देना मनुष्य की अपनी इच्छा है, अपना आदर्श है।

1 A1) ..

2

आकृति पूर्ण कीजिए।



A2) ..

2

प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए।

- i.
- ii.
- iii.
- iv.

A3) ..

2

- i. लिंग पहचानकर लिखिए।
 १. आत्मा -
 २. पुस्तक -
- ii. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए।
 १. पूँछ -
 २. झगड़ा -

A4) ..

2

स्वमत।

‘मनुष्यता ही सबसे बड़ा धर्म है। इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

(क) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

(4)

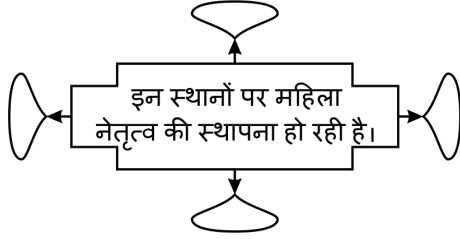
आज संसार महिलाओं की योग्यता को पहचान चुका है। इसी का प्रभाव है जो यूरोप, एशिया, अमरीका, अफ्रीका आदि सभी स्थानों पर महिला नेतृत्व की स्थापना हो रही है। संसार में आज तक कितने ही पुरुषों तानाशाह के रूप में शासन कर जनता से बर्बरतापूर्वक व्यवहार किया है और ऐसे शासकों द्वारा प्रगति के संबंध में भी कोई विशेष प्रयास नहीं किए गए। आज समय महिलाओं के साथ है और संपूर्ण विश्व के वासी अपने घावों पर मरहम लगाने हेतु महिला नेतृत्व को स्वीकार कर रहे हैं। विश्व की सबसे छोटी ईकाई परिवार है और परिवार के सभी सदस्यों के सफल जीवन की सूत्रधार

महिला ही होती है किंतु ऐसा नहीं है कि केवल वह परिवार तक ही सीमित होती है या केवल एक परिवार को ही सफल कर सकती है।

1 A1) ..

2

आकृति पूर्ण कीजिए।



A2) ..

2

स्वमत।

'नारियों के बढ़ते कदम' इस विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

विभाग २ - पदय

कृति. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

(6)

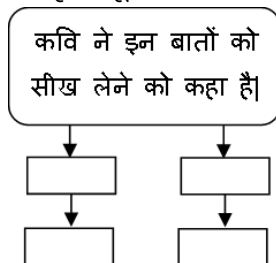
२

वाणी में शहद घोलना सीख लीजे,
जरा प्यार से बोलना सीख लीजे।
चुप रहने के, यारों बड़े फायदे हैं,
जुबाँ वक्त पर खोलना सीख लीजे।
कुछ कहने से पहले जरा सोचिए,
खयालों को खुद तौलना सीख लीजे।
तू-तड़ाक हो या फिर हो तू-तू मैं-मैं,
अपने आपको टोकना सीख लीजे।
पटाखे की तरह फटने से पहले,
रोशनी के रंग घोलना सीख लीजे।
कटु वचन तो सदा बोते हैं काँटे,
मीठी बोली के गुल रोपना सीख लीजे।
बात बेबात कोई चुभने लगे तो,
बदलकर उसे मोड़ना सीख लीजे।
ये किसने कहा होंठ सीकर के बैठो,
जरूरत पे मुँह खोलना सीख लीजे।

1 A1) ..

2

आकृति पूर्ण कीजिए।



A2) ..

2

विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।

- i. सीखना ×
- ii. फायदा ×
- iii. वक्त ×
- iv. कहना ×

भावार्थ लिखिए।
कविता की अंतिम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

विभाग ३ - (व्याकरण)

कृति.3 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए -

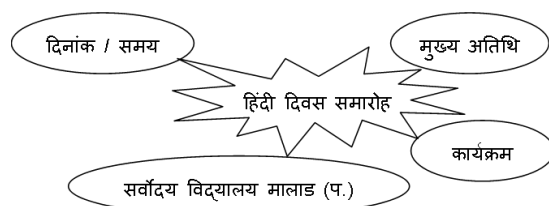
- (1) मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए (2)
- 2) इस तरह गाँव और शहर बन गए।
- 2) असंतोष व्यक्त करना
- (2) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिये (1)
पहले तो राजकुमारी ने हाँ वह दिया
- (3) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए (1)
प्रतिभा की पैमाना मेधा का ऊँचाई नापता है।
- (4) अर्थ के आधार पर निम्न वाक्यों के भेद लिखिए। (1)
वे इस रुपए को बैंक में रखते हैं।
- (5) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए (1)
जो प्यार करता है वो प्यार पा लेता है।
- (6) निम्न वाक्यों के काल पहचान कर लिखिए (2)
मैं अंग्रेजी पढ़ने लगा।
- 2) थोड़े दिनों में तुम इसे समझने लगोगी। -
- 7) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए (1)
मानव चंद्रलोक पहुँच गया है।

विभाग ४ - रचना विभाग

कृति.4 अ) निम्नलिखित किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए। (5)

- 1) 'एकता की शक्ति'
- 2) यातायात की समस्याएँ एवं उपाय
- 3) कर्म ही पुजा है

ब) निम्नलिखित वृत्तांत लिखिए। (5)



अथवा

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर कहानी लिखिए

एक राजा – बेईमान द्वारपाल – एक कवि का आना – द्वारका रिश्वत माँगना – इनाम से रिश्वत दुँगा कहना – राजा का कवि से प्रसन्न होना – कवि को इनाम माँगने को कहना – कवि का इनाम कोड़े की सजा माँगना – राजा द्वार कारण पूछना – कवि द्वारा बेईमान द्वारपाल की बात बताना – द्वार पाल को सजा मिलना – शिक्षा।

क) गद्य आकलन

(5)

गद्यांश पर आधारित पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हों ?

ओलंपिक खेलों के आरंभ होने से कई माह पहले से ही 'ओलंपिक टार्च' (मशाल) को एक महिला पादरी का कार्य करते हुए ओलंपिया में जलाती है। और खेलों के मेज़बान देश को देती है। ओलंपिक का शुभंकर चिह्न मेज़बान देश चुनता है। यह शुभंकर चिह्न कोई पशू, मानव या उस देश की संस्कृति का चिह्न हो सकता है। चीन (बीजिंग) 2008 के ओलंपिक खेलों का शुभंकर पाँच शुभ चिह्न थे, जो चीन की सभ्यता के प्रतीक थे। मैं विश्व को 'एक विश्व- एक सपना' का संदेश देते हैं।

ओलंपिक खेलों के उद्घाटन में मेज़बान देश का झंडा, राष्ट्रीय गान एवं राष्ट्रीय चिह्नों को महत्व दिया जाता है।

